दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-८१ वा | गुरूवार १ जनवरी २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

नए साल का तोहफा॥

अहमदनगर-बीड़-धाराशिव-सोलापुर कॉरिडोर: महाराष्ट्र की कनेक्टिविटी को नई गति

मुंबई ३१ दिसंबर

(जमीर काजी कि विशेष रिपोर्ट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने महाराष्ट्र में ३७४ किलोमीटर लंबे छह लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड नाशिक-सोलापूर-अक्कलकोट कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल पूंजीगत लागत १९,१४२ करोड़ रुपये है, जो महाराष्ट्र के प्रमुख जिलों की कनेक्टिविटी में क्रांति लाएगी। 'बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर' (बीओटी, टोल आधारित) मॉडल पर विकसित होने वाली यह परियोजना पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एकीकृत परिवहन अवसंरचना को मजबूत करेगी।

यह कॉरिडोर सूरत-चेन्नई एक्सप्रेसवे का महत्वपूर्ण हिस्सा है और नाशिक से अक्कलकोट तक नाशिक, अहिल्यानगर (अहमदनगर), बीड, धाराशिव (पूर्व में उस्मानाबाद) तथा सोलापूर जिलों से होकर गुजरेगा। डिजाइन स्पीड १०० किमी/घंटा और औसत स्पीड ६० किमी/घंटा के साथ यह हाई-स्पीड कॉरिडोर यात्रा समय में १७ घंटे की कमी और दूरी में २०१ किलोमीटर की बचत करेगा। परियोजना दो पैकेज में विभाजित है: पैकेज-१ (नाशिक से अहमदनगर, लगभग १५२ किमी) और पैकेज-२ (अहमदनगर से अक्कलकोट, २२२ किमी)। प्रत्येक पैकेज का निर्माण समय २४ महीने है, जिसकी शुरुआत अप्रैल २०२६ से होने की उम्मीद है।

यह ग्रीनफील्ड मार्ग दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (वधावन बंदरगाह इंटरचेंज के पास), आगरा-मुंबई कॉरिडोर (नाशिक में एनएच-६० जंक्शन) और समृद्धि महामार्ग (पांगरी के पास) से जुड़ेगा। इससे पश्चिम तट से पूर्व तट तक सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। चेन्नई बंदरगाह की ओर से ७०० किमी लंबी चार लेन मार्गिका का काम पहले से प्रगति पर है। परियोजना से कोप्पर्थी और ओरवाकल जैसे प्रमुख एनआईसीडीसी नोड्स तक माल ढुलाई की लॉजिस्टिक्स क्षमता बढ़ेगी।

नीचे कॉरिडोर के रूट मैप दिखाए गए हैं, जिसमें **बीड** क्षेत्र सहित पूरा एलाइनमेंट प्रदर्शित है:

Cabinet Approves ₹19,142 Crore Nashik–Solapur–Akkalkot 6-Lane ...

परियोजना से प्रत्यक्ष रूप से २५१ लाख मानव-दिवस और अप्रत्यक्ष रूप से ३१४ लाख मानव-दिवस रोजगार सृजन होगा, साथ ही कॉरिडोर के आसपास आर्थिक गतिविधियों से अतिरिक्त अवसर पैदा होंगे। भूमि अधिग्रहण तेजी से चल रहा है, जिसमें ३,१२२ हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता.

अहमदनगर खंड

अहमदनगर (अहिल्यानगर) खंड दोनों पैकेज का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो जिले में लगभग १२०-१५० किमी क्षेत्र कवर करेगा। पैकेज-१ में नाशिक से अहमदनगर तक और पैकेज-२ की शुरुआत यहां से होगी। इस खंड में ७० मीटर और ६० मीटर चौड़ाई का राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) होगा। बजट का बड़ा हिस्सा सिविल निर्माण पर खर्च होगा। इस खंड से मौजूदा एनएच-१६० पर भीड़ कम होगी और सोलापूर तक यात्रा समय घंटों कम होगा। अहमदनगर के औद्योगिक क्षेत्रों को लॉजिस्टिक्स लाभ मिलेगा।

बीड खंड (विशेष फोकस)

बीड जिला पैकेज-२ का प्रमुख हिस्सा है, जहां कॉरिडोर लगभग ७०-८० किमी तक गुजरेगा। यह खंड बीड शहर के निकट से होकर जाएगा, जिससे इस मध्य महाराष्ट्र क्षेत्र को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी मिलेगी। ६० मीटर आरओडब्ल्यू के साथ यह हिस्सा कृषि और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा। मौजूदा एनएच-५६१ए और एनएच-५२ पर ▶▶पान ४ पे

भीमा कोरेगांव आने वाले वाहनों को टोल माफी दें

खा. बजरंग सोनवणे ने राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण के महाप्रबंधक को पत्र लिखा

केज: दिनांक १ जनवरी २०२६ को पुणे जिले के ऐतिहासिक भीमा कोरेगांव विजय स्तंभ पर आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम के लिए पूरे महाराष्ट्र से लाखों अनुयायी और नागरिक पहुंचने वाले हैं। इस पृष्ठभूमि में, उस दिन राज्य के सभी टोल नाकों से गुजरने वाले वाहनों को टोल माफी देने की मांग सांसद बजरंग सोनवणे ने की है।

इस संबंध में सांसद बजरंग सोनवणे ने राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण के मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रादेशिक अधिकारी तथा महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) के प्रबंध निदेशक को लिखित निवेदन सौंपा है। निवेदन में कहा गया है कि भीमा कोरेगांव के विजय स्तंभ को श्रद्धांजलि देने के लिए बीड़ सहित राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में नागरिक यात्रा करेंगे। इस यात्रा के लिए हजारों वाहन सड़कों पर उतरेंगे, जिससे टोल नाकों पर भारी भीड़ होने की संभावना है और इससे यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। साथ ही यात्रियों पर आर्थिक बोझ भी पड़ेगा।

भीमा कोरेगांव श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नागरिक स्वेच्छा से, शांतिपूर्वक और बड़ी श्रद्धा के साथ भाग लेते हैं। इस पृष्ठभूमि में नागरिकों को कोई आर्थिक परेशानी न हो, इसके लिए १ जनवरी २०२६ को राज्य के सभी टोल नाकों से गुजरने वाले वाहनों को टोल माफी दी जाए, ऐसी मांग सांसद सोनवणे ने की है। इस निर्णय से जनता को राहत मिलेगी, टोल नाकों पर भीड़ कम होगी और समग्र यातायात प्रबंधन आसान होगा, ऐसा विश्वास भी उन्होंने व्यक्त किया है। इस संबंध में तत्काल आवश्यक आदेश जारी करने की अपेक्षा भी सांसद सोनवणे ने प्रशासन से की है।

आखिर अजित दादा का दौरा तय हुआ

कल सहकार भवन और जि.प. के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन होगा

बीड, ():- लगातार पिछले चार दिनों से राज्य के उपमुख्यमंत्री तथा जिले के पालकमंत्री अजित पवार के दौरे को लेकर रद्द होने-आने की चर्चाएं चल रही थीं। आखिरकार उनके दौरे को कल का मुहूर्त मिला है और दोपहर १ से ३ बजे के बीच अजित पवार बीड में हाजिरी देंगे तथा इस दौरान सहकारी भवन के निर्माण का भूमिपूजन और जि.प. के जिला नियोजन मंडल से होने वाले एक हजार कार्यों का प्रतिनिधि रूप में भूमिपूजन किया जाएगा।

पिछले आठ दिनों से जिला प्रशासन अजित दादा के दौरे के संबंध में जोरदार तैयारी कर रहा है। छत्रपति संभाजी महाराज क्रीड़ांगण पर जिला प्रशासन की ओर से भव्य मंडप भी लगाया गया है। हालांकि दो दिन पहले का दौरा रद्द होकर वह आज होने वाला था। लेकिन आज का दौरा भी कल रात रद्द हो गया। आखिरकार आने-न आने की चर्चाओं के बीच कल दोपहर १ से ३ बजे के बीच अजित पवार बीड में आ रहे हैं तथा जिला प्रशासन की ओर से स्कूल मरम्मत, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण, पशु चिकित्सालय का कार्य, दाह-संस्कार भूमि तथा अन्य एक हजार कार्यों की कार्यारंभ आदेश और भूमिपूजन अजित पवार के हाथों प्रतिनिधिक रूप में होगा। साथ ही ५० हजार घरकुल के निर्माण में दिवाली से पहले जिन्होंने अच्छा काम किया है उन्हें प्रशस्ति पत्र देना तथा सहकार भवन के निर्माण का भूमिपूजन - ये सिर्फ दो कार्यक्रम कल अजित ▶▶पान ४ पे

एसटी बस स्टैंड की स्वच्छता के लिए हर १५ दिनों में विशेष अभियान

यात्रियों के सुरक्षित, स्वस्थ यात्रा के लिए एसटी महामंडल का पहलकदमी

मुंबई, दिनांक ३१ दिसंबर: महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल के सभी बस स्टैंडों पर, बस स्टैंड परिसर में तथा प्रशासकीय भवनों में हर १५ दिनों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक सुविधाएं उपलब्ध हों तथा एसटी की सकारात्मक छवि और मजबूत हो, इस उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण उपक्रम शुरू किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत बस स्टैंड में बैठने की व्यवस्था, फर्श, दीवारें, शीशे, शौचालय, पीने के पानी के स्थान, महिला विश्रामगृह, कार्यालयीन कक्ष आदि की गहन सफाई की जाएगी। जमा कचरा, अनावश्यक झाड़ियां, विज्ञापन बोर्ड, जालियां आदि का उन्मूलन कर परिसर को अधिक स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जाएगा। कचरा प्रबंधन के लिए अलग-अलग डिब्बे उपलब्ध कराए जाएंगे तथा कचरे का उचित वर्गीकरण और निपटान किया जाएगा। यात्रियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाएगा। पीने के पानी के ▶▶पान ४ पे

सावे-भागवत कराड के खिलाफ गुस्सा

वाहनों पर काला झंडा फहराया, भाजपा पर रिश्तेदारों को टिकट देने का आरोप

औरंगाबाद ():- महायुती टूटने के बाद छत्रपती संभाजीनगर भाजपा में उम्मीदवारी वितरण को लेकर चल रहा विवाद अब नियंत्रण से बाहर होता नजर आ रहा है। भाजपा के केंद्रीय प्रचार कार्यालय के सामने नाराज कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. भागवत कराड की गाड़ी रोक ली, जबकि कैबिनेट मंत्री अतुल सावे की गाड़ी पर काला झंडा फहराकर अपना तीव्र विरोध दर्ज किया। एक कार्यकर्ता ने अपने ऊपर मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान पुलिस सुरक्षा में सावे और कराड को वहां से निकलना पड़ा।

छत्रपती संभाजीनगर में उम्मीदवारी को लेकर भाजपा में लगातार दूसरे दिन भी बड़े पैमाने पर हंगामा हुआ। नाराज उम्मीदवारों और गुस्साए कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता भागवत कराड तथा अतुल सावे की गाड़ियों को घेर लिया और गंभीर आरोप लगाते हुए भारी गुस्सा जाहिर किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने सावे और कराड के पोस्टर फाड़ डाले। एक इच्छुक उम्मीदवार ने घटनास्थल पर हंगामा करते हुए अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह ▶▶पान ४ पे

महाराष्ट्र में सभी स्कूलों में एक साथ छात्रों की सत्यापन जांच अभियान

सरकार ने जिला कलेक्टरों और शिक्षा अधिकारियों को दिए आदेश

लातूर (मोहम्मद मुस्लिम कबीर): महाराष्ट्र सरकार राज्य के सभी स्कूलों में छात्रों की संख्या और शिक्षकों की योग्यता की एक साथ जांच करने के लिए एक विशेष सत्यापन अभियान शुरू करने जा रही है। इसके लिए शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग और अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों की एक टीम गठित की जा रही है। यह टीम एक साथ राज्य के सभी स्कूलों का अचानक दौरा करेगी। हालांकि अभी तारीख तय नहीं की गई है।

सरकार ने स्कूलों में फर्जी दस्तावेजों के जरिए दाखिला लिए गए छात्रों की उपस्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए यह विशेष सत्यापन अभियान चलाने का फैसला किया है। इसके कार्यान्वयन से संबंधित एक पत्र राज्य के सभी जिला कलेक्टरों और शिक्षा अधिकारियों को भेजा गया है। शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी इस सत्यापन अभियान में हिस्सा लेकर फर्जी छात्रों और शिक्षकों की पहचान करेंगे। जांच टीम हर कक्षा के ▶▶पान ४ पे

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

के.कविता ने करीमनगर में शुरू किया 'भूमि संघर्ष', तेलंगाना कार्यकर्ताओं को २५० गज भूमि की मांग

हैदराबाद, सोहेब अहमद कि रिपोर्ट

: तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने करीमनगर जिले के मनाकोंडूर में तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर 'भूमि संघर्ष (भू पोराटम)' की शुरुआत की। इस आंदोलन में कांग्रेस पार्टी द्वारा चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं से किए गए वादों को तुरंत लागू करने की मांग की गई है, खासकर हर कार्यकर्ता को २५० वर्ग गज आवासीय प्लॉट देने का वादा।

आंदोलन शुरू करने से पहले, के. कविता ने अलगुनूर चौरास्ता पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद वे मनाकोंडूर पहुंचीं, जहां कार्यकर्ताओं ने मनाकोंडूर पुलिस स्टेशन के पास पांच एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया और आंदोलन के प्रतीक के रूप में झोपड़ियां बनाईं।

सभा को संबोधित करते हुए के. कविता ने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने २०२३ विधानसभा चुनाव में हर तेलंगाना आंदोलन कार्यकर्ता को २५०

वर्ग गज प्लॉट देने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर ९ दिसंबर तक यह वादा पूरा नहीं हुआ तो भूमि संघर्ष शुरू किया जाएगा। सरकार से कोई जवाब न मिलने पर करीमनगर से यह आंदोलन शुरू किया गया।

कविता ने कहा, तेलंगाना कार्यकर्ताओं के बलिदानों और संघर्षों से हासिल हुआ है। सरकार को तुरंत वादा की गई २५० वर्ग गज जमीन आवंटित करनी चाहिए। हम कमेटियां बनाने के बहाने देरी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कार्यकर्ताओं से आंदोलन को तेज करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि यह संघर्ष सिर्फ करीमनगर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वादा पूरी होने तक हैदराबाद और रंगारेड्डी सहित पूरे राज्य के जिलों में फैलाया जाएगा।

के. कविता ने आरोप लगाया कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद भी असली कार्यकर्ताओं को सम्मान और इज्जत से वंचित रखा गया, जबकि आंदोलन का विरोध करने वालों ने प्रभाव हासिल किया और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए। उन्होंने पेंशन, कल्याण बोर्ड और आवासीय जमीन जैसे वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए सरकार की आलोचना की।

शहीद परिवारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में करीब १,२०० लोगों ने जान कुर्बान की, लेकिन सिर्फ ५४० परिवारों को ही लाभ मिला। २ जून, १५ अगस्त और २६ जनवरी जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर शहीद परिवारों को सम्मानित नहीं किया जाता।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अब पूरे राज्य के कार्यकर्ता एक कॉमन फोरम के तहत एकजुट हो गए हैं और तेलंगाना के लिए किए गए संघर्ष में गरिमा के साथ अपना अधिकार मांग रहे हैं।

सरकार से आग्रह किया कि वह एक्टिविस्ट फोरम द्वारा दिए गए डेटा के आधार पर कार्यकर्ताओं को पहचान दे और बिना देरी के वादे पूरे करे।

कविता ने आंदोलन को शांतिपूर्ण बताते हुए कहा कि जब तक सरकार निर्णायक जवाब नहीं देती, तब तक यह जारी रहेगा। कार्यकर्ताओं से अपील दोहराते हुए उन्होंने कहा कि न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

सत्यापन और अतिरिक्त जानकारी:

यह रिपोर्ट पूरी तरह सत्य है। यह घटना ३०-३१ दिसंबर २०२५ की है। कांग्रेस पार्टी ने २०२३ तेलंगाना विधानसभा चुनाव में अपने मेनिफेस्टो में तेलंगाना आंदोलन कार्यकर्ताओं को २५० वर्ग गज प्लॉट देने का वादा किया था (इंदिरम्मा इंदलू गारंटी के तहत)। सत्ता में आने के दो साल बाद भी यह वादा पूरा नहीं हुआ, जिसके कारण कार्यकर्ताओं में असंतोष है। के. कविता (पूर्व बीआरएस नेता, अब तेलंगाना जागृति के माध्यम से सक्रिय) ने इस मुद्दे पर राज्यव्यापी आंदोलन की शुरुआत की है।

सदानंद दाते बने महाराष्ट्र के नए पुलिस महानिदेशक

शनिवार को संभालेंगे पदभार; रश्मी शुक्ला होंगी रिटायर

मुंबई: जमीर काजी

महाराष्ट्र पुलिस बल को वर्ष के अंत में नया पुलिस महानिदेशक मिला है और अपेक्षा के अनुरूप इस पद पर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सदानंद वसंत दाते की नियुक्ति की गई है। निवर्तमान प्रमुख रश्मी शुक्ला के शनिवार को रिटायर होने के कारण उनकी जिम्मेदारी दो वर्ष के लिए दाते पर सौंपी गई है। दाते आगामी शनिवार (३ जनवरी) को डीजीपी का पदभार ग्रहण करेंगे।

दाते १९९० बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के प्रमुख पद से पिछले सप्ताह कार्यमुक्त हुए हैं। डीजीपी पद के लिए उनकी 'घर वापसी' की गई है। आयु सीमा के अनुसार दाते की सेवानिवृत्ति ३१ दिसंबर २०२६ तक है। हालांकि राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार पुलिस महानिदेशक पद पर दो वर्ष की नियुक्ति की है और इस संबंध में आदेश गृह विभाग से जारी किए गए हैं।

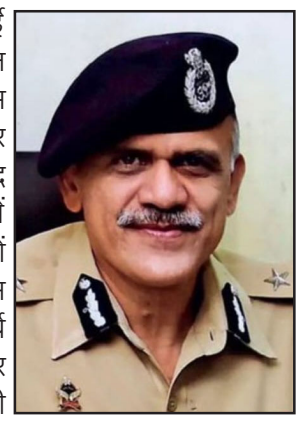

२६/११ मुंबई हमले के दौरान सदानंद दाते ने अपर्याप्त कर्मचारी और हथियारों के बावजूद कामा अस्पताल में घुसकर आतंकवादियों को रोकने का प्रयास किया था। उनके शौर्य से कई महिलाओं और बच्चों की जान बची थी।

दो वर्ष से डीजीपी के रूप में कार्यरत रश्मी शुक्ला का कार्यकाल ३१ दिसंबर को समाप्त हो रहा है। इसलिए ईमानदार अधिकारी के रूप में प्रसिद्ध दाते की नियुक्ति मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की है।

कोण आहेत दाते?

अत्यंत ईमानदार अधिकारी के रूप में पहचाने जाने वाले दाते का पुलिस बल में पिछले साढ़े तीन दशक का सफर युवा अधिकारियों के लिए प्रेरणादायक है। वे कठोर निर्णयों के लिए जाने जाते हैं। २०१५ में उनकी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक पद पर नियुक्ति हुई थी। उस समय छत्तीसगढ़ सहित देश के कई हिस्सों में नक्सलवादी हिंसा चरम पर थी। उस दौरान सशस्त्र अभियानों की शुरुआत हुई थी।

गडचिरोली में नक्सलवादी मोर्चे पर उनकी नियुक्ति हुई थी। फरवरी २०१५ में उन्हें सीआरपीएफ में आईजी पद पर प्रमोशन मिला था। इसके बाद वे सीआरपीएफ में स्पेशल आईजी बने। फिर सीआरपीएफ में डीजी के रूप में ५ वर्ष प्रतिनियुक्ति पर रहे। इसके बाद उन्हें एनआईए की कमान सौंपी गई। मुंबई में उन्होंने अतिरिक्त आयुक्त तथा सह आयुक्त (अपराध) के रूप में काम किया है। मीरा-भायंदर के पुलिस आयुक्त के रूप में उनकी कार्यप्रदाली अत्यंत ध्यानाकर्षक रही थी। इस दौरान आयुक्तालय क्षेत्र में अवैध धंदों और पुलिस बल में भ्रष्टाचार पर उन्होंने अंकुश लगाया था।

सत्यापन नोट: यह खबर पूरी तरह सत्य है। नियुक्ति ३१ दिसंबर २०२५ को हुई है। रश्मी शुक्ला ३ जनवरी २०२६ को रिटायर हो रही हैं (मूल रिपोर्ट में छोटी त्रुटि थी)। सदानंद दाते ३ जनवरी को पदभार संभालेंगे। यह सर्वोच्च न्यायालय के प्रकाश सिंह मामले के निर्देशानुसार दो वर्ष की निश्चित अवधि के लिए है।

मुंबई महानगरपालिका के लिए २,५१६ उम्मीदवारी फॉर्म दाखिल

नाम वापसी के लिए कल तक की समय सीमा

जमीर काझी

मुंबई : एशिया महाद्वीप की सबसे अमीर महानगरपालिका मानी जाने वाली बृहन्मुंबई महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव के लिए कुल २२७ सीटों पर कुल २,५१६ उम्मीदवारी फॉर्म दाखिल किए गए हैं।

इनमें से ९० प्रतिशत यानी लगभग २,१२२ फॉर्म अंतिम दिन दाखिल किए गए। आज छानबीन पूरी होने के बाद वैध उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी।

पूरे देश का ध्यान आकर्षित कर रही इस चुनाव में सभी प्रमुख दलों में बड़ी संख्या में इच्छुक होने के कारण बगावत हुई है। भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट ने बाहर से आए 'आयाराम' नेताओं को टिकट दिए जाने से निष्ठावान कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई है और उन्होंने निर्दलीय के रूप में फॉर्म दाखिल किए हैं। वहीं ठाकरे बंधुओं की गठबंधन के कारण सीट बंटवारे में वार्ड दूसरे के हिस्से में चले जाने और उम्मीदवारी में उपेक्षा किए जाने से दोनों तरफ के नाराजों ने बगावत का झंडा बुलंद किया है।

इस चुनाव में भाजपा-शिवसेना शिंदे गुट एक साथ तथा उद्धव ठाकरे की सेना और मनसे के गठबंधन में मुख्य रूप से मुकाबला हो रहा है तथा राष्ट्रवादी शरद पवार गुट उनके साथ है, जबकि कांग्रेस, वंचित और रासप अलग मोर्चा बनाकर लड़ रही है। वहीं महायुती के तीसरे घटक दल उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी अकेले मैदान में उतरी है। इसके अलावा सपा और एमआईएम भी स्वतंत्र रूप से चुनावी अखाड़े में उतरे हैं। २ जनवरी तक उम्मीदवारी वापस लेने की समय सीमा है और उसके बाद असली तस्वीर साफ होगी।

पान १ वरून

अहमदनगर-बीड़-धाराशिव-सोलापुर...

यातायात कम होगा, दुर्घटनाएं घटेंगी। बीड से नाशिक या सोलापूर तक यात्रा समय ४-५ घंटे से घटकर २ घंटे से कम हो जाएगा। इस खंड से स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

धाराशिव खंड

धाराशिव (पूर्व उस्मानाबाद) खंड भी पैकेज-२ में है, जो लगभग ६०-७० किमी लंबा होगा। यह बीड से सोलापूर तक निर्बाध कनेक्शन प्रदान करेगा। प्रमुख पुल और इंटरचेंज यहां बनेंगे। धाराशिव-सोलापूर यात्रा एक घंटे से कम समय में पूरी हो सकेगी, जिससे तीर्थयात्रा और व्यापार बढ़ेगा।

सोलापूर खंड

सोलापूर खंड पैकेज-२ में अक्कलकोट तक समाप्त होगा, जो लगभग ८०-९० किमी कवर करेगा। सोलापूर शहर के निकट प्रमुख इंटरचेंज बनेंगे। यह खंड कुर्नूल और चेन्नई की ओर कनेक्शन प्रदान करेगा। सोलापूर की कपड़ा और कृषि उद्योगों को बंदरगाहों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

यह कॉरिडोर महाराष्ट्र के लिए नई सौगात है, जो क्षेत्रीय विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन और सुरक्षा उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया है। परियोजना की निगरानी नियमित रूप से होगी, ताकि समय पर पूरा हो सके।

आखिर अजित दादा...

पवार की उपस्थिति में होने वाले हैं। बाकी अन्य सभी कार्यों को दादा ने नजरअंदाज कर दिया है। अजित पवार के दौरे के बारे में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जतीन रहमान ने इस पर जानकारी दी।

सावे-भागवत कराड...

का प्रयास किया। साथ ही सावे के पीए और रिश्तेदारों को टिकट देने का आरोप लगाया गया।

गुस्साए भाजपा कार्यकर्ताओं ने सर्वे दिखाते हुए कहा कि हमें न्याय मिलना चाहिए। अतुल सावे को आखिर क्या मिला? उन्होंने अपने पीए को उम्मीदवारी दी, सिर्फ वंजारी समुदाय के लोगों को आगे बढ़ाया। अभी के अभी सर्वे लाओ, अगर उसमें मेरा नाम नहीं है तो मैं आजीवन उनकी गुलामी करूंगा। भागवत कराड ने भी सिर्फ वंजारी लोगों को टिकट दिए। ऐसे नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने अतुल सावे और भागवत कराड के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। एक-एक शब्दों में गाली-गलौज भी की गई।

भागवत कराड की गाड़ी को घेरकर नाराज कार्यकर्ताओं ने उसे रोक लिया और गाड़ी पर काला झंडा फहराया। इस दौरान महिला कार्यकर्ता भी बेहद गुस्से में नजर आईं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं पर अन्याय किया गया है। भाजपा किसी के बाप की नहीं है - ऐसा भी नाराज कार्यकर्ताओं ने कहा। घटनास्थल पर भारी बवाल हुआ। छत्रपती संभाजीनगर में भाजपा कार्यालय के सामने यह घटना हुई। लगातार दूसरे दिन यह आंतरिक कलह सबके सामने आ गई। मौके पर पुलिस पहुंच गई।

नाराज महिला कार्यकर्ताओं ने कहा - हमारे घर ये नेता आते थे, इसके लिए हमने लाखों रुपये खर्च किए। हमें उम्मीदवारी देने का लॉलीपॉप दिखाया, आखिरी दिन तक कहा गया लेकिन टिकट नहीं दिया। इनके सारे उम्मीदवार हार जाएंगे।

हम २० साल से काम कर रहे हैं

भाजपा ऐसा दल है जो अन्याय नहीं करता, इसलिए हम २० साल से काम कर रहे हैं। इन लोगों ने हम पर अन्याय किया है। जो व्यक्ति घर-घर तक पहुंचा हुआ था, उसे टिकट नहीं दिया। जिसे कोई जानता तक नहीं, जिसने एक काम भी नहीं किया, उसे टिकट दे दिया। जो व्यक्ति हमारे काम का था, उसका अपमान किया गया। २० साल से उसे लूटा जा रहा है - ऐसा एक नाराज महिला कार्यकर्ता ने कहा।

नेताओं के पीए को टिकट, कार्यकर्ताओं पर अन्याय

मैं सर्वे में आगे था, रात-दिन पार्टी के लिए जुटा रहा, लेकिन साहब ने अपने पीए को टिकट देकर मेरा नुकसान कर दिया - ऐसा आरोप भदाने पाटील नामक नाराज कार्यकर्ता ने लगाया। मुझे अंधेरे में रखा गया। अब अगर मुझे कुछ हुआ तो इसके लिए नेतृत्व जिम्मेदार होगा - ऐसा इशारा भी उन्होंने दिया। साथ ही कराड ने जाति के आधार पर और सावे ने अपने पीए व रिश्तेदारों को टिकट दिए - ऐसा आरोप कार्यकर्ताओं ने लगाया। दूसरी ओर, उम्मीदवारी से वंचित होने से नाराज सुवर्णा मराठे ने कड़ाके की ठंड में प्रचार कार्यालय के सामने आमरण अनशन शुरू कर दिया है।

महाराष्ट्र में सभी स्कूलों में एक...

उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज छात्रों और कक्षा में वास्तव में मौजूद छात्रों की जांच करते हुए सत्यापन करेगी। अनुपस्थित और फर्जी छात्रों को उपस्थित दिखाने वाले संबंधित शिक्षकों तथा प्रधानाध्यापक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विशेष सत्यापन अभियान से पहले, स्कूल के प्रधानाध्यापक को केंद्र प्रमुख और फिर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज छात्रों की जानकारी की सत्यापन करानी होगी। इसके बाद इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया जा सकेगा।

सरकार के इस फैसले से निजी शिक्षा संस्थानों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

एसटी बस स्टैंड की स्वच्छता...

स्थानों पर स्वच्छता और नियमित रखरखाव रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

इस अभियान के लिए स्थानीय स्वराज संस्थाएं, सामाजिक संगठन, विद्यार्थी, नागरिक तथा एसटी के अधिकारी एवं कर्मचारी सभी के सहयोग से यह अभियान अधिक प्रभावी ढंग से चलाया जाएगा। प्रत्येक बस स्टैंड पर इस अभियान का सख्ती से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग प्रमुखों पर सौंपी गई है।

हर १५ दिनों में होने वाले इस स्वच्छता अभियान से एसटी बस स्टैंड अधिक स्वच्छ, स्वास्थ्यवर्धक और यात्रियों के लिए आनंददायी बनेंगे तथा यात्री सेवाओं में गुणवत्ता वृद्धि होगी। इस निर्णय से यात्रियों का विश्वास और मजबूत होगा, ऐसी उम्मीद जताई जा रही है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com